For Immediate Release: September 30, 2024

PRESS-RELEASE

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यापीठ) में आयोजित प्रमाण पत्र वितरण के साथ हिंदी पखवाड़ा का समापन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यापीठ) द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा का समापन आज विजेता प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार वितरण/ प्रमाण पत्र वितरण के साथ सम्पन्न हुआ.

पुरस्कार वितरण का आयोजन EDC Lounge में किया गया जिसकी अध्यक्षता , प्रो सुकुमार मिश्रा, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यापीठ) ने किया. पुरुस्कार वितरण समारोह में श्री प्रबोध पांडे, कुलसचिव, एवं श्री बृजेश कुमार पांडेय, सहायक कुलसचिव भी उपस्थित थे.

विजेता प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए, प्रो सुकुमार मिश्रा ने कहा की, उत्कृष्टता के मापदंड समय, स्थान एवं काल के अनुसार बदलते रहते हैं. जो आज इस समारोह में पुरस्कार पा रहे वो निश्चित ही बधाई के पात्र हैं. लेकिन जिन्होंने प्रतियोगिताओं में भाग लिया लेकिन विजयी नहीं हो सके उनके अंदर भी अन्य प्रतिभा छिपी हुई है एवं उन्हें अगले बार ज्यादा मेहनत करने की आवश्यकता है.

श्री प्रबोध पांडे, कुलसचिव ने स्वागत भाषण के दौरान कहा की इस वर्ष प्रतिभागियों ने ज्यादा संख्या में विभिन्न प्रतियोगिताओं में अभिरुचि दिखाई एवं कुल प्रतिभागियों की संख्या तीन अंक पर पहुंची।

उन्होंने पुनः कहा की हिंदी का प्रयोग सिर्फ प्रतियोगिता तक ही सिमित नहीं होना चाहिए ही नहीं बल्कि पूरे वर्ष तक हिंदी क़ा उपयोग कार्यालय कार्यों का अलावा आम बोल चाल एवं दैनिक जीवन में भी ज्यादा से ज्यादा किया जाना चाहिए.

"हिंदी साहित्य से जुड़ कर हम न केवल अपने संस्कृति के बारे में ज्यादा जानकारी हासिल कर सकते हैं बल्कि हम अपने गौरवशाली इतिहास के बारे में भी जान सकते हैं" श्री पांडे ने कहा.

उन्होंने विकास दिव्यकीर्ति जो एक पूर्व सिविल सेवक, शिक्षक, लेखक, व्याख्याता, यूट्यूबर, हिंदी फिल्मों के लेखक हैं के भाषण का हवाला देते हुए कहा की चूँकि आज के भागदौड़ के समय में सभी साहित्यिक पुस्तकों को पढ़ना संभव नहीं है तो हम Chatgpt का उपयोग कर अच्छी पुस्तकों का सार जान सकते और फिर उसमे भी सबसे श्रेष्ठ पुस्तक का अध्ययन भी कर सकते हैं

श्री बृजेश कुमार पांडेय ने अपने सम्बोधन के दौरान कहा की इस वर्ष कुल १०९ प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया जिसमे 87 कर्मचारी, दो शिक्षक, 11 अधिकारी एवं 9 छात्र /छात्राएं शामिल हैं.

हिंदी काव्य पाठ, हिंदी एवं हिन्दीतर भासी दोनों वर्ग के शिक्षक/ अधिकारी के लिए प्रतियोगिता में पवन कुमार सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, यांत्रिक विभाग ने प्रथम पुरुस्कार जीता जबकि गैर हिंदी प्रतिभागियों में इंगलेला महेश, सहायक कुलसचिव को प्रथम पुरस्कार मिला। हिंदी भासी कर्मचारियों के बीच हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता में कार्तिकेय दुबे ने पहला पुरुस्कार जीता जबकि गैर हिंदी भासी कर्मचारियों के बीच प्रथम पुरुस्कार उद्दीप पाल ने जीता.

राजभासा नीति सम्बन्धी प्रतियोगिता में कर्मचारियों के बीच बी रवि शंकर को प्रथम पुरस्कार मिला, जबकि अधिकारीयों के बीच मोनलिसा नायक को प्रथम पुरुस्कार प्राप्त हुआ.

हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन में कर्मचारियों के बिच वी प्रकाश नारायण को प्रथम पुरुस्कार प्राप्त हुआ. हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता में छात्रों के बिच अमन शेखर , पीएचडी छात्र को प्रथम पुरुस्कार प्राप्त हुआ.

Rajni Singh
Dean (Corporate Communications)